



भारत का राजपत्र

The Gazette of India

असाधारण

EXTRAORDINARY

भाग II—खण्ड 3—उप-खण्ड (ii)

PART II—Section 3—Sub-section (ii)

प्राधिकार से प्रकाशित

PUBLISHED BY AUTHORITY

सं. 1369]

नई दिल्ली, सोमवार, जुलाई 18, 2011/आषाढ़ 27, 1933

No. 1369]

NEW DELHI, MONDAY, JULY 18, 2011/ASADHA 27, 1933

राज्य सभा सचिवालय

अधिसूचना

नई दिल्ली, 18 जुलाई, 2011

का.आ. 1639(अ).—न्यायाधीश (जांच) अधिनियम, 1968 की धारा 3 की उप-धारा (2) के अधीन दिनांक 27 सितम्बर, 2010 की समसंबंधिक अधिसूचना के आंशिक आशोधन में राज्य सभा के सभापति ने, कर्नाटक उच्च न्यायालय के तत्कालीन तथा सिविकम उच्च न्यायालय के वर्तमान मुख्य न्यायाधीश न्यायमूर्ति पॉल डेनियल दिनाकरन प्रेमकुमार को पद से हटाये जाने के अनुरोध के आधारों की जांच करने के प्रयोजनार्थ एक समिति का पुनर्गठन किया है जिसमें निम्नलिखित तीन सदस्य होंगे :—

1. माननीय न्यायमूर्ति आफताब आलम,
भारत का उच्चतम न्यायालय,
2. माननीय न्यायमूर्ति जे. एस. खेहर,
कर्नाटक उच्च न्यायालय के मुख्य न्यायाधीश; तथा
3. प्रोफेसर (डा.) जी. मोहन गोपाल,
निदेशक, राजीव गांधी इंस्टीट्यूट फॉर कॉम्परेटिव स्टडीज,
राजीव गांधी फाउण्डेशन, नई दिल्ली।

[फा. सं. आरएस 8/3/2009-एल]

विवेक कुमार अग्निहोत्री, महासचिव

RAJYA SABHA SECRETARIAT

NOTIFICATION

New Delhi, the 18th July, 2011

S.O. 1639(E).—In partial modification of the Notification of even No. dated the 27th September, 2010 under sub-section (2) of Section 3 of the Judges (Inquiry) Act, 1968, the Chairman, Rajya Sabha has re-constituted, for the purpose of making an investigation into the grounds on which the removal of Mr. Justice Paul Daniel Dinakaran Premkumar, the then Chief Justice of the Karnataka High Court, now Chief Justice of Sikkim High Court, is prayed for, a Committee consisting of the following three Members :—

1. Hon'ble Mr. Justice Aftab Alam,
Supreme Court of India,
2. Hon'ble Mr. Justice J.S. Khehar,
Chief Justice of Karnataka High Court; and
3. Prof. (Dr.) G Mohan Gopal,
Director,
Rajiv Gandhi Institute for Contemporary Studies,
Rajiv Gandhi Foundation,
New Delhi.

[F. No. RS 8/3/2009-L]

V. K. AGNIHOTRI, Secy.-General